राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 279
कालचक्र
नागराज
eComic

काल से न जीता कोई। बड़े-बड़े सूरमाओं को पटखनी दे चुका है समय! नागराज को भी हमेशा के लिए बन जाना होगा राज, जब घूमेगा...
कालचक्र
संजय गुप्ता की पेशकश
कथा: जॉली सिन्हा. चित्र: अनुपम सिन्हा. इंकिंग: विनोद कुमार. सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय. सम्पादक: मनीष गुप्ता
ये तुमको ब्रह्माण्ड के अमर संरक्षक की सलाह है नागराज! एक बार इंसानों की जिन्दगी में अपनी शक्तियों का दखल देना बंद करके देखो कि क्या होता है!
पर तुम ऐसा शायद ही कर पाओ! क्योंकि किसी पर भी जुल्म होते देखकर तुम अपने-आपको नागशक्तियों का प्रयोग करने से नहीं रोक सकते!
ठीक है! मैं अपने-आपको 'सम्मोहनादेश' देता हूं कि एक सप्ताह तक मैं चाहूं तो भी नागशक्तियों का प्रयोग नहीं कर पाऊंगा!

शाम का वक्त- बेशुमार लोगों के लिए भारती न्यूज चैनल पर आने वाले समाचारों का वक्त बन गया था-
क्योंकि शाम सात बजे आने वाला प्रोग्राम था 'भारती इन्वेस्टिगेटर्स'-
आप कश्मीर में पैदाइश से रहते आए हैं बाबा मुर्शिद मद्दू! इस दौरान आतंकवाद के अपने कई रूप देखे हैं! कौन सा रूप असली लगा आपको?
इनके सारे रूप झूठे हैं! पहले हम इनको आजादी का सिपाही मानते थे! इनको पनाह देकर अपने घरों में रखते थे! लेकिन अब तो ये हम पर ही जुल्म ढाते हैं! हमारे लड़कों से जबरन गोलियां चलवाते हैं! अब तो हम... हम इनसे निजात चाहते हैं!
ये हमारे लिए नहीं, बल्कि अपने उन आकाओं के लिए लड़ रहे हैं, जो कश्मीर को पड़ोसी देश के हाथों बेच डालना चाहते...
कर्रर्रर्र
तड़
तड़
तड़
तड़
खुदा कसम, इस अकेली लड़की ने बक-बककर वह कर दिखाया जो हिन्दुस्तानी सरकार नहीं कर सकी! इसके प्रोग्रामों ने आम कश्मीरी को हमसे दूर कर दिया है!
वे हमारी असली योजना को समझ गए हैं! लेकिन कश्मीरी भोले-भाले हैं! उनको हम फिर से अपने जाल में फंसा सकते हैं! बशर्ते ये लड़की हमारे रास्ते से हट जाए!
इसको हमने चिट्ठी भेजी थी! पर इसने उस पर ध्यान नहीं दिया!
अब हम शहीदी दस्ता भेजेंगे इसको शहीद करने के लिए!

Amaan
अगले दिन, राजनगर में-
भारती जी, मुझे आपकी बड़ी फिक्र हो रही है! आपने लाम-ए-कयामत की धमकी भरी चिट्ठी को बिल्कुल नजर अंदाज कर दिया है! वे बहुत खतरनाक लोग हैं! आपको सतर्क रहना चाहिए!
आप मेरी इतनी फिक्र क्यों कर रहे हैं पहलेजा जी?
BHARTI TOWER
क्योंकि मैं 'भारती कम्युनिकेशंस' में ४९ प्रतिशत का पार्टनर हूं! आपको नुकसान पहुंचेगा तो मुझे भले ही व्यक्तिगत दुःख हो...
...लेकिन कंपनी आर्थिक दुख के सागर में डूब जाएगी!
BHARTI TOWER
आप ही तो कंपनी को चला रही हैं! इतना बड़ा नुकसान न तो मैं बर्दाश्त कर पाऊंगा और न ही हमारी शेयरधारक जनता!
ओ, तो बात पैसे की है!
वैसे अगर मुझे कुछ हो जाए पहलेजा जी तो मैंने अपनी वसीयत बनाकर रखी है!
ओह!
भारती! झुकिए मैडम!
बड़ा बदतमीज है आपका नौकर भारतीजी!...
...अरे! धक्का देकर फूट लिया!
ओऽऽह! गोलियां!
तड़ तड़ तड़
फिदायीन दस्ते की गोलियां हैं ये भारत की भारती!
बहुत बक-बक कर लिया तूने! अब तेरे और हमारे बीच में सिर्फ...

...तेरी मौत है!
गोलियां, निश्चित तौर से भारती और पहलेजा के शरीरों को चीर डालतीं-
तड़
बचाओ
तड़ तड़
अगर वे उन तक पहुंच पातीं तो-
मौत इनकी नहीं, तुम लोगों की आएगी, अगर तुम लोगों ने तीन सेकंड के अंदर हथियार नहीं डाले तो!
नागराज!
तड़क
हां, आतंकवाद और आतंकवादियों का दुश्मन नागराज!
हम फियादीन दस्ते के सिपाही हैं! जान देने से नहीं डरते! लेकिन हम जान तभी देते हैं, जब दर्जनों जान ले लेते हैं!
ओ हथगोला!

Amaan
देखा भारती? मैं कह रहा था न कि आतंकवादियों से पंगा लेना खतरनाक हो सकता है!
खतरा तो हर जगह है, पहलेजा जी! उससे डरकर कोई काम करना तो बन्द कर नहीं सकता! देखिए लिफ्ट में चढने में खतरा है, लेकिन फिर भी आप रोज लिफ्ट में ही ऊपर जाते हैं न?
...क्योंकि ऑफिस में ही फेसलेस की वह ड्रेस रखी हुई है, जिसे पहनकर मैं खुद इन आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहती हूं!
आज नहीं जाऊंगा! आज का दिन मुझे ठीक नहीं लग रहा है!
लेकिन मेरा ऊपर अपने ऑफिस में जाना बहुत जरूरी है!...
फिलहाल तो नागराज सबक सिखाने की कोशिश कर रहा था-
इनके भारी हथियारों से मुझे नुकसान पहुंच सकता है! लेकिन अगर मैं बचता हूं तो दूसरे लोगों को नुकसान पहुंचेगा! बचने की नहीं हमले की कोशिश करनी होगी!
हम तेरी शक्तियां जानते हैं नागराज! फुंकार से बचने के लिए हमारी नाक में फिल्टर लगा है! और तू हमें जान से नहीं मारेगा, क्योंकि हम इंसान हैं! लेकिन हमारे शक्तिशाली विस्फोटक तेरे तो क्या, इस पूरी बिल्डिंग के टुकड़े-टुकड़े कर सकते हैं!
मामूली हथियारों के दम पर इतनी शेखी बघारना ठीक नहीं है!

मामूली हथियार कहता है इनको! इस गन से 'एंटीटैंक' ग्रेनेड छोड़े जाते हैं, जो टैंक तक के पुर्जे-पुर्जे कर देते हैं! तेरा बदन तो टैंक से सैकड़ों गुना मुलायम है! ले देख अपनी मौत का धमाका!
तुम्हारी बंदूकें तो ठंडा पानी छोड़ती हैं!
पानी! गन से पानी निकल रहा है! ये तो पानी वाली गन बन गई है! पर कैसे?
और...तेरे कपड़ों को क्या हो गया?
तेरी लंबाई को क्या हुआ है?
हम...हम दोनों बच्चे बन गए हैं! दाढ़ी वाले बच्चे!
हमारी गनें खिलौने बन गई हैं!
ये जादू है, जादू!
भाग, जमीले!
नहीं, भाग सकते!
हमारी दाढ़ियों ने हमको खूंटे से भैंस की तरह बांध दिया है!
ह...हमें जाने दो नागराज! वर्ना बड़ी बेइज्जती हो जाएगी! मैं अपने गुट का सरिया कमांडर हूं!
और मैं तो जनरल हूं! हमको पहले जैसा बना दो नागराज!
नागराज के तीव्र सम्मोहन का कमाल था ये-

पहलेजा भी चकित था-

ये हो क्या रहा है? दोनों आतंकवादी बंदूकें फेंककर नागराज के सामने चुपचाप क्यों खड़े हैं?

नागराज के सामने पड़कर बड़े-बड़े अपराधियों के हाथ-पैर ढीले पड़ जाते हैं साहब! फिर ये तो मामूली आतंकवादी हैं!

पहलेजा और दरबान वह देख रहे थे, जो सच्चाई थी-

खतरा वही था, जिसका भारती ने पहलेजा से अभी अभी जिक्र किया था-

लिफ्ट तेजी से नीचे गिर रही थी-

उसको थामने वाले तार शायद टूट गए थे-

आवाज लिफ्ट की शॉफ्ट से आ रही है! और आवाज का स्रोत तेजी से नीचे आता जा रहा है! यानी भारती इस लिफ्ट के साथ नीचे गिर रही है!

शॉफ्ट के बंद दरवाजे खुले-

नागराज नागराज

लेकिन तब तक देर हो चुकी थी-
ओऽऽऽह! लिफ्ट एकदम नीचे आ चुकी है! नागरस्सी को इस्तेमाल करने तक का समय नहीं है!
तेज गति से गिरने के कारण वजनी लिफ्ट का वजन कई गुना बढ़ गया था-
लेकिन नागराज इस परीक्षा में फेल नहीं हुआ-
आऽऽऽह!
भारती! अब तुम दरवाजे से बाहर निकल जाओ!
लिफ्ट ऊपर की तरफ दौड़ पड़ी-
लिफ्ट बीच में अटकी है, नागराज!
तुम लिफ्ट को नीचे रखो, तभी बाहर जाने लायक रास्ता बन पाएगा!
ओह! किसी की साजिश लगती है ये! भारती को ऊपर से टकराकर मारने की कोशिश की जा रही है!
नागराज की शारीरिक शक्ति का ये खतरनाक इम्तिहान था-
लेकिन लिफ्ट नीचे रख पाने से पहले ही-

नागराज दीवार पर दौड़ पड़ा-
लिफ्ट और नागराज की इस दौड़ में-
जीत नागराज की ही हुई-
मैं लिफ्ट से ऊपर आ चुका हूं! अब मैं लिफ्ट को ऊपर से टकराने नहीं दूंगा!
परन्तु इस बार नागराज सतर्क था-
नागरस्सी ने गिरती लिफ्ट को थाम लिया-
भारती को मरना ही होगा नागराज!
कौन बोला? आssss ह!
लेकिन नागराज के देखते-देखते लिफ्ट के तार टूटते चले गए-
भारती!
अब लिफ्ट मेरे कंट्रोल में है! अब भारती सुरक्षित है!
और लिफ्ट गहराइयों में गोता लगा गई-
अरे! ये... ये क्या हो रहा है! लिफ्ट के टूटे तार अपने-आप आपस में जुड़-जुड़ कर एक रूप धारण कर रहे हैं!

हां, नागराज! ये तार ही मेरा शरीर है! केबलवान कह सकता है तू मुझे! क्योंकि मेरा बलवान शरीर केबलों का बना हुआ है!...
इतना तो मेरे 'कंप्यूटर सिस्टम' ने 'एनालाइज' कर लिया है कि तुझे मारे बगैर भारती को मारना मुश्किल से ज्यादा और असंभव से कम है! इसलिए समय बचाने के लिए मैं पहले तुझको मारूंगा फिर भारती को!
मशीनी दुश्मन है केबलवान! इस पर मेरी विषैली शक्तियां काम नहीं करेंगी! सिर्फ शारीरिक बल और ध्वंसक सर्पों का ही सहारा है!

पहला वार नागराज ने ही किया-
ध्वंसक सर्पों के धमाके इसके जुड़े तारों को बिखेर देंगे! और इसका शरीर नष्ट हो जाएगा!
नागराज ने जो सोचा था-
नतीजा उससे उल्टा ही हुआ-
तू मेरी मदद क्यों कर रहा है, नागराज? तेरे विस्फोटक सांप तो मेरे तारों को गला कर आपस में जोड़ रहे हैं, और मुझे और मजबूत बना रहे हैं!
भाले की तरह, तारों के सिरे नागराज के शरीर को बींधते चले गए-
शायद तुझको मरने की जल्दी है!
लेकिन नागराज पर भला ऐसे वारों का असर कहां होना था-
मुझे मरने की नहीं...

Amaan
तुझे तोड़ने की जल्दी है! वैसे कहते हुए अजीब तो जरूर लग रहा है, लेकिन फिर भी अगर तू बता दे कि तुझे भारती को मारने के लिए किसने भेजा है तो शायद मैं तेरे तार-तार अलग न करूं!
जैसे अब मैं तुझको लटकाऊंगा!
अब शारीरिक शक्ति का प्रयोग करके ही इसको तोड़ना होगा!
नागराज का वह घूंसा पड़ने से ऐसी गूंज पैदा हुई–
जिससे आसपास की इमारतों के कई शीशे चटक गए–
केबलवान का का 'शरीर' भी इतनी बुरी तरह से थरथराया...
मैं तो तेरी बात पर हंस भी नहीं सकता! यंत्र हूं न, इसलिए! वैसे मेरी मेमोरी में मुझे भेजने वाले का 'डाटा' नहीं है! मुझे तो बस ये पता है कि इस लिफ्ट के असली तार हटाकर मुझसे इस लिफ्ट को लटका दिया गया था!
आऽऽऽह! इन तारों से तीव्र चुंबकीय क्षेत्र पैदा हो रहा है! जो मेरे दिमाग पर असर डाल रहा है! मैं इच्छाधारी कणों में बदल नहीं पा रहा हूं!
... कि उसके लिए नागराज को थामना संभव नहीं रहा–

झन्न्न्नन
थरथराने से इसके तार अलग हो रहे हैं! यही मौका है इस पर तगड़े वार कर-करके इसके अंदर के सर्किटों को बेकार करने का!
कमजोर पड़ रहे केबलवान ने-
अपनी योजना बदल दी-
धम्म्म
ओह, इसका एक तार लिफ्ट के शॉफ्ट के अंदर जा रहा है! यह जरूर लिफ्ट को थामने वाली सर्प रस्सी को तोड़ना चाहता है! भारती अभी भी लिफ्ट में ही फंसी होगी!...
...मुझे भारती को लिफ्ट से बाहर निकालना होगा!
सर्प रस्सी टूटने से पहले ही-
नागराज लिफ्ट के नीचे पहुंच चुका था-
और उसका बाजू लिफ्ट को थाम चुका था-
मैं लिफ्ट को थामे हुए हूं! अब मैं धीरे-धीरे लिफ्ट को सबसे पास के फ्लोर पर लाऊंगा, और तुम दरवाजा खोलकर बाहर निकलने की कोशिश करना!
घबराना मत भारती!
ओ. के. नागराज! बस! दरवाजा सामने है, और मैं उसको खोल भी चुकी हूं!

कुछ ही पलों में भारती लिफ्ट से बाहर निकल चुकी थी-
मैं बाहर निकल चुकी हूं, नागराज!
अब मैं लिफ्ट को छोड़ सकता हूं! केबलवान का केबल अभी तक सर्प रस्सी को तोड़ नहीं पाया है! मेरे छोड़ने से भी लिफ्ट न तो गिरेगी, और न ही इसको नुकसान पहुंचेगा।
यानी केबलवान के 'कंप्यूटर सेंसरों' को भी भारती के बच निकलने का पता चल गया है! और ये नाराजगी मुझ पर उतारना चाहता है!
ओह!
केबल सर्प रस्सी को छोड़कर मुझे कस रहा है!
आऽऽऽऽ ह!
... आऽऽऽ ह! तोड़ूं कैसे? ये तार तो पकड़ में ही नहीं आ रहे हैं! उल्टा ये मेरे मांस में घुसकर मेरे शरीर को तेज धार वाली छुरी की तरह काट रहे हैं!
इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके बच निकलना होगा!
केबल में से बाल जितने पतले तार अलग होकर मुझे जकड़ रहे हैं!
इन तारों को मैं एक झटके में तोड़...

इच्छाधारी शक्ति!
शक्ति को जगाते ही नागराज का शरीर कणों में बदलकर आजाद होना शुरू हो गया-
लेकिन यह प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही-
एकाएक रुक गई-
बिजली के हाई वोल्टेज झटकों ने नागराज का ध्यान भंग करके उसको फिर से सामान्य रूप में ला दिया था-
आऽऽऽह!
तार शरीर को काटते जा रहे हैं! जल्दी ही इनकी धार मेरी हड्डियों के भी टुकड़े कर देगी, और फिर मेरे कटे अंग कभी जुड़ नहीं पाएंगे!
इच्छाधारी शक्ति के सिवाय और कोई शक्ति मेरे काम नहीं आ सकती, और बिजली के झटके इच्छाधारी शक्ति को जगाने में व्यवधान डाल रहे हैं!

आज शायद मेरी जान जाकर ही रहेगी! वह भी किसी जीवित प्राणी के हाथों से नहीं, बल्कि एक मशीन के हाथों जाएगी मेरी जान!...

......

...वह क्या है? ओ यस! इस वक्त इसी की जरूरत तो थी मुझको!

नागरस्सी बड़ी मुश्किल से उस डिब्बे को अपने शिकंजे में कस पाई-

Amaan
आऽऽऽह! मैं अपने केबलों को जोड़ने में अपनी बेटरी की सारी ऊर्जा लगा रहा हूं, लेकिन फिर भी ये फिसलते ही चले जा रहे हैं!
ये तुम्हारी समस्या है, केबलवान! मेरी समस्या तो हल हो गई है! तुम्हारी ऊर्जा की खपत दूसरी जगह होने के कारण तुम मुझे करेंट नहीं लगा पा रहे हो!
अब मैं तुम्हारे अलग-अलग हो चुके केबलों पर तब तक वार करता रहूंगा, जब तक इनके अंदर गुप्त स्थान पर छिपी बैटरी या कंप्यूटर कंट्रोल नष्ट न हो जाए!
केबलों के सिरे ड्रिल की तरह घूमकर छत में छेद करने लगे-
आऽऽऽह!
तू सचमुच जल्दी ही अपने इरादों में कामयाब हो जाएगा नागराज! इसलिए मुझे अपने 'बैक अप प्लान' को लागू करना होगा!
और अंदर धंसने लगे-

और पूरी बिल्डिंग में अपना जाल फैलाने लगे-

ओ माई गॉड! व्हाट्स हैपनिंग!

देख, नागराज! अब पूरी इमारत में मेरा 'केबल नेट' फैल चुका है! अब इन तारों में तेज थरथराहट पैदा होगी, और ये पूरी बिल्डिंग धूल में मिल जाएगी! और उसी मलबे में दफन हो जाएगा भारती का शरीर!

तुम एक मशीन जरूर हो लेकिन तुमको बनाने वाले के सीने में दिल जरूर धड़कता होगा फिर उसने तुम्हारे अंदर ऐसा 'कमांड' क्यों भरा जो एक इंसान की खातिर हजारों इंसानों को मार सकता है!

आतंकवादियों के सीने में दिल होता तो जरूर है नागराज! लेकिन सिर्फ रक्त संचार के लिए!

अब भारती को तीन मिनटों में मेरे सामने ले आ, वर्ना हजारों जानें एक साथ जाएंगी!

ऐसा नहीं होगा! तू मेरी नागगति को नहीं जानता! मैं तीन तो क्या दो मिनटों के अंदर-अंदर इस इमारत को खाली करवा दूंगा!

तुझमें ऐसी क्षमता है! तू ऐसा कर सकता है, इसलिए मैं तुझको इतना समय ही नहीं दूंगा कि तू भारती या किसी को भी सावधान कर सके!

ये मूर्खों की तरह मेरे बहकावे में आकर मेरे पीछे-पीछे भाग रहा है!

मैं शाफ्ट में जमीन तक पहुंच गया हूं, लेकिन इसने मेरा पीछा नहीं छोड़ा है!
गुड!
इस बिल्डिंग का भविष्य चाहे जो हो, लेकिन तेरा भविष्य कह रहा है कि तेरा हाल उस हवाई जहाज की तरह होने वाला है, जो 'ट्विन टॉवर' में जा घुसा था!
वो कैसे?
ऊपर देख!
आ्ऽऽऽ
बस, नागराज! यहां से तू आगे नहीं जाएगा! मेरे केबलों ने बाहर जाने के रास्ते को बंद कर दिया है! तेरा इच्छाधारी कण तक यहां से बाहर नहीं जा सकता! तू किसी को सावधान नहीं कर सकता!
अब देख भारती की मौत का तमाशा! छत पर धंसे हुए मेरे केबलों में कंपन शुरू हो गया है!
दस सेकंड में पूरी बिल्डिंग 'ट्विन टॉवर' की तरह गिर जाएगी!
चीख खत्म होने से पहले ही लिफ्ट केबलवान पर आ गिरी थी-
इसको तोड़ने के लिए किसी ऐसे ही तगड़े वार की जरूरत थी! इसीलिए मैं इसको यहां पर लाया था!
ताकि मेरे संकेत पाते ही सर्प रस्सी लिफ्ट को छोड़ दे और लिफ्ट की टक्कर इसका कचूमर बना दे!

अब ये केबल के मुड़े तुड़े ढेर के अलावा और कुछ भी नहीं है!
ओ!
ठीक है! ठीक है दोस्तों! झगड़िए मत! मैंने आपका धन्यवाद स्वीकार किया!
यह काम आपलो
का है! नागराज हर
नहीं कर सकता! मैं
बिल्डिंग को टूटने से
बचाया! आप लो
इसको सजाएं सं
थ्री चियर्स फॉर नागराज!
हिन्दी में बोल! नागराज जिन्दाबाद!
नेतागिरी मत झाड़ो! बोलो नागराज धन्यवाद!
वो तो समझे, पर बिल्डिंग में घुसे केबलों को तो निकाल दो!
चल भाई! तोड़ फोड़ करें ये, सं
हम!
कुछ लोगों के लिए कितना भी कर दो, फिर भी उनको शिकायत बनी रहती है!
खैर, फिलहाल तो भारती के हाल-चाल पता किए जाएं!
भारती के ऑफिस में-
आप 'लामए कयामत' वाला एसाइनमेंट तुरन्त छोड़ दीजिए भारतीजी!
क्या कह रहे हैं मिस्टर पहलेजा? दो आतंकवा
से डरकर देश की सेवा करनी छोड़ दूं?
मैं आतंकवादियों की नहीं, उस अजीबोगरीब मशीन की बात कर रहा हूं, जिससे नागराज ने आपकी जान बचाई है!
उस यंत्र का आतंकवादियों से कोई संबंध नहीं है!

हो सकता है भारती! इसके पीछे आतंकवादियों का हाथ हो सकता है! उनका प्लान यह रहा होगा कि फियादीन मुझको उलझाए रहेंगे और तब तक केबलवान तुमको खत्म कर देगा!
यह तुम इतनी पक्की तौर से कैसे कह सकते हो, नागराज?
आतंकवाद का चेहरा काफी बदल गया है भारती! आज के आतंकवाद को चलाने वाले पढ़े लिखे और अरबपति अपराधी हैं! वे अपने मकसद के लिए आतंकवाद फैलाने में प्रोफेशनलों की मदद लेते हैं! किसी आतंकवादी ने किसी मैकेनिकल एक्सपर्ट से केबलवान जैसी चीज बनवाई होगी!
क्योंकि केबलवान ने एक बार अपने मालिकों के स्थान पर क्रूर दिलवाले आतंकवादियों का जिक्र किया था!
लेकिन... लेकिन जैसा मैंने सुना है उस हिसाब से तो केबलवान किसी उच्च तकनीक का निर्माण था! बिना दिमाग वाले आतंकवादी भला उसको कैसे बना सकते हैं?
तुम्हारा कहना सही हो सकता है नागराज! लेकिन अगर ऐसा है तो आतंकवाद के हाथों दुनिया खतरे में है! न्यूयार्क के ट्विन टॉवरों को यात्री विमानों के द्वारा ध्वस्त करना इसकी एक जीती- जागती मिसाल है!
अगर आतंकवाद दुनिया के लिए खतरा है तो आतंकवाद के लिए मैं खतरा हूं भारती! मिटा डालूंगा मैं ऐसे आतंकवाद को!
इसी वक्त एक अंजान स्थान पर-
दुनिया खतरे में है! मेरा मतलब पृथ्वी खतरे में है!
आतंकवादियों के हाथों!
वे तो होनी के आधीन होकर ही काम कर रहे हैं... खतरा नागराज की तरफ से है!

आज उसने भारती को बचाकर अनहोनी कर दी है!
ओह! यानी भारती का मृत्युयोग टल गया! कहीं उसका दूसरा मृत्युयोग भी न टल जाए!
नागराज को समझाओ कि वह सृष्टि के नियमों में दखल न दे!
हमको पूरा विश्वास है कि तुम नागराज को यह समझाने में सफल होगे!
परंतु यह कार्य भारती पर दूसरा मृत्युयोग आने से पहले ही जाना चाहिए!
जो आज्ञा सर्व स्वामी!
अगर नागराज अपनी टांग अड़ाता रहा तो ऐसा ही होगा! नागराज को रोकना होगा! वह होनी को अनहोनी बनाकर हमारे काम में दखल दे रहा है!
नागराज हमेशा की तरह निर्दोषों की जान को मौत के जबड़े से छीनने में जुटा हुआ था-
भारती पर दूसरा हमला होने से पहले ही मुझे आतंकवादियों का पता लगाना होगा! अरे!
एक और अपराध! ये अपराधी मुझे दो पल की फुर्सत दें तो मैं आतंकवादियों को ढूंढ पाऊं! खैर, फिलहाल तो इनको बचाता हूं!
लेकिन इससे पहले कि नागराज घटनास्थल पर उतर पाता-

Amaan
उसकी पास की इमारत की छत पर खींच लिया गया था-
बस नागराज! हम तुमको सृष्टि के कार्य-कलापों में और दखल नहीं देने देंगे!
कौन हो तुम लोग?
हम लोगों पर प्रभु की सृष्टि चलाने की जिम्मेदारी है! प्रभु के तय नियमों के अनुसार ही हम इसको चलाते हैं!
तुम हमको संरक्षक कह सकते हो! ब्रह्माण्ड के अमर संरक्षक!
आप मुझसे क्या चाहते हैं?
तुमको बताना चाहते हैं कि तुम सृष्टि के नियमों में दखलअंदाजी कर रहे हो! इंसानों को प्रभु के बजाय अपने आप पर निर्भर बना रहे हो! लोग 'भगवान बचाओ' नहीं बल्कि 'नागराज बचाओ' करने लगे हैं! जिनका 'मृत्यु योग' आया हुआ हो, उनका 'मृत्यु योग' तुम टाल देते हो! अगर कोई बुरा इंसान भी किसी को मारता है तो उसके पीछे भी सृष्टि का एक तय कालचक्र होता है! उस चक्र को बिगाड़ने की कोशिश मत करो! छोड़ दो इंसानों को बचाने की प्रवृति, और जैसा हो रहा है वैसा होने दो!

आप क्या बकवास कर रहे हैं? मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है! फिलहाल तो आप दोनों मेरा इंतजार कीजिए! मैं गुंडों से निपटकर आता हूं! फिर आराम से आपकी रामकहानी सुनूंगा!
तुम कहीं नहीं जाओगे नागराज! अब हम तुम्हें सृष्टि के नियमों को बदलने नहीं देंगे! मानवों को अपने आप जीना सीखना होगा! किसी असामान्य शक्ति की मदद लिए बगैर! और अगर इसमें उनकी जान भी जाती है तो जाए! आखिर एक न एक दिन तो जान वैसे भी जानी है!
कैसे संरक्षक हो तुम लोग? जिसकी रक्षा करने का दावा करते हो, उसी को नष्ट होता देख रहे हो?
मुझे तो तुम दोनों किसी नाटक के एक्टर लग रहे हो! अब तुम मुझको नहीं रोक पाओगे! रोकना है तो अपनी सांसों को रोको, वर्ना बेहोश हो जाओगे!
हम बेहोश नहीं होते...
...सच पूछो तो हम कभी सोते भी नहीं हैं!
यह क्या हो रहा है! विष फुंकार सचमुच बेअसर साबित हो रही है!
और इनका अद्भुत वार मेरे 'स्नायु तंत्र' को प्रभावित कर रहा है!
मुझे शरीर को हिलाने में भी दिक्कत हो रही है! क्या ये सचमुच अमर संरक्षक हैं?

दोस्त यानी परमाणु, शक्ति इत्यादि

कुछ ही पलों के बाद नागराज टंकी में भरे पानी में तैर रहा था-
आऽऽऽह! पानी, मेरे शरीर के कंपनों को सोखकर हल्का कर रहा है! अब मैं आराम से सोच सकता हूं कि ये वाकई ब्रह्माण्ड के संरक्षक हैं या ये कोई नाटकबाज हैं!
लेकिन ऐसा नाटक करने से भला इनको क्या फायदा हो सकता है! इन्होंने तो मुझ पर जानलेवा हमला तक नहीं किया है...
...खैर! ये बाद में सोचूंगा!
पहले तो उस जोड़े को गुंडों से बचाना है!
इच्छाधारी रूप में गायब होकर नीचे पहुंचता हूं!
ताकि संरक्षक व्यवधान न डाल सकें!
ओह! टंकी के मुंह को संरक्षकों ने किसी प्लास्टिक जैसी चीज से ढक दिया है!
हां, नागराज! हम जानते थे कि तुम ऐसी ही कोशिश करोगे! इस अवरोध ने तुमको हमारी नजरों से ओझल नहीं होने दिया! अब खेल बहुत हो गया!
अब तुमको शांति से हमारी बात सुननी ही होगी!
इच्छाधारी शक्ति के द्वारा? तुम्हारी ऐसी कोई भी कोशिश नाकाम होगी! करके देख लो!
ओह! इमारत में लगे सरिए अपने-आप बढ़कर मुझे गिरफ्त में ले रहे हैं! पर मुझको इस कैद से छूटने में एक सेकंड लगेगा!
आऽऽऽह! इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग शुरू करते ही मुझे करंट के झटके लगने लगे हैं!

देखो, नागराज! हम तुमको दो संभावित घटनाक्रम दिखाते हैं! एक तो यह कि तुम उस जोड़े को बचाने जाते तो क्या होता!
और दूसरा यह कि अगर तुम बीच में दखल न देते तो क्या होता!
ईंटों का वह ढांचा, तेज रोशनी की चमक में लगभग गायब ही गया-
और जब रोशनी खत्म हुई तो-
अद्भुत! उस ईंटों के ढांचे के स्थान पर एक अजीब सी मशीन उभर आई है!
हां, नागराज! हमको संभावित भविष्य देखने के लिए यंत्रों की आवश्यकता नहीं है, परन्तु तुमको दिखाने के लिए अवश्य है!
देखो!
"उस जोड़े को बचाने तुम घटनास्थल पर पहुंच रहे हो-"
नागराज!
चिल्ला! लेकिन नागराज नहीं आने का! अरे, वह कितनों को एकसाथ लुटने से बचाएगा?
मेरी पत्नी को छोड़ दो! म... मैं तुम्हारे हाथ जोड़ता हूं! पैर पड़ता हूं!
छोड़ देता बाप! जरूर छोड़ देता! पन क्या करेगा? अंगूठी उंगली में फंस गयली है! एक सेकंड में उंगली काट कर अंगूठी निकालेगा, फिर छोड़ देगा तेरी बीवी को! बस!
तू उंगली को नहीं काटेगा!
अपनी जिन्दगी को काटेगा! जेल में!
नागराज!
अरे बाप, तेरे को और काम नहीं है क्या? वो मिस किलर या शाकूरा! उनको जाके मार!

मेरे लिए जितना महत्त्वपूर्ण बड़े अपराध रोकना है, उतना ही महत्त्वपूर्ण मामूली अपराधों को रोकना भी है! क्योंकि तुम मामूली अपराधी ही वे पौधे हो जो बाद में पेड़ बनकर बड़े अपराधी बन जाते हैं!
फ़ऊ ऊ ऊ
रुक जा नागराज! वर्ना मैं इसका भेजा उड़ा दूंगा!
पहले ये बता कि तुझे अपनी शर्ट के अंदर कुछ रेंगता हुआ महसूस हो रहा है कि नहीं!
हाँ... हो रहा है! कोई मामूली कीड़ा होगा!
देख तो ले कि कीड़ा मामूली है या जहरीला!
ई आ आ आ SSS
धड़ाक
धन्यवाद नागराज!
धन्यवाद कैसा, यह तो मेरा फर्ज था!
अब इन दोनों लुटेरों को पुलिस के हवाले कर आऊं!
देखा, तुमने इंसानों को कैसा डरपोक बना दिया है! अब देखो कि अगर तुम्हारे आने की उम्मीद ही न होती तो जोड़ा क्या करता?
और इसके लिए तुमको किसी यंत्र की आवश्यकता नहीं है! तुम इसे वास्तविकता में देख सकते हो!

देखो!
हमने ऐसा इंतजाम कर दिया है कि हमको कोई देख न पाए! और जोड़े तथा लुटेरों के दिमाग में ये संदेश भी भर दिया है कि नागराज बहुत दूर होने के कारण यहाँ नहीं आ सकता!
मुझे चाहे जितना मार लो! पर मेरी पत्नी को छोड़ दो!
आ ऽऽऽऽ
कमीने!
छोड़ देगा बाप! क्या है, अंगूठी ऊंगली में फंस गयली है! ऊंगली काटकर निकालेगा फिर बाकी बची बीबी को छोड़ देगा!
मैंने कहा था कि मेरी पत्नी को हाथ मत लगाना!
क्या... क्या करता है, भिड़ू? इसमें गोली है! चलती है तो आदमी मर जाता है!
ओह! मैं तो अबतक बेकार ही तुम जैसे चूहों से डर रहा था! बाजी पलटते ही थर-थर कांपने लगे!
प्रीति! कार में मोबाइल रखा है! पुलिस को बुलाओ!
ओ० के० माई नागराज!

मैंने भी यह महसूस किया है कि लोग मुझ पर कुछ ज्यादा ही निर्भर होते जा रहे हैं! वे अपने काम भी मुझसे ही करवाना चाहते हैं!

लेकिन अगर मैंने आतंकवाद और अपराध से लड़ना छोड़ दिया तो अपराधी और अपराध दोनों ही बढ़ सकते हैं!

इसको जानने का एक ही तरीका है नागराज! कुछ दिनों के लिए मानवों की जिन्दगी और मौत दोनों में दखल देना बन्द करके देखो कि क्या नतीजा निकलता है!

ठीक है! मैं ऐसा करके देखूंगा!

लेकिन तुम्हारे लिए ऐसा करना मुश्किल होगा! क्योंकि किसी की भी जान खतरे में देखते ही तुम उसे बचाने के लिए अपनी शक्तियों का प्रयोग शुरू कर दोगे! चाहे जानकर करो या अंजाने में!

हां! ऐसा हो सकता है! परंतु इसका भी एक हल है मेरे पास!

मैं ऐसा इंतजाम करूंगा कि मैं चाहकर भी नागशक्तियों का प्रयोग न कर सकूं!

अपने आपको सम्मोहन आदेश देकर!

और फिर-

मैं, नागराज चाहकर भी अगले सात दिनों तक अपनी किसी भी नागशक्ति का प्रयोग नहीं कर पाऊंगा!

ऐसा नागराज को नागराज का आदेश है!

कहानी 35 पेज से

हम प्रसन्न हैं कि सृष्टि की भलाई के लिए तुमने सही दिशा में कदम उठाया है, नागराज!
लेकिन यह प्रयोग मात्र एक सप्ताह के लिए है! इसीलिए तुमको एक काम और करना होगा!
ठीक है! प्रयोग का सही नतीजा जानने के लिए ऐसा करना जरूरी है! मैं ऐसा ही करूंगा!
तो फिलहाल विदा दो नागराज! हम तुम पर नजर रखेंगे और जरूरत पड़ी तो तुमसे मुलाकात भी करेंगे!
जनता में यह सूचना फैलानी होगी कि नागराज अपराध उन्मूलन से सन्यास ले रहा है!
ताकि जनता मुसीबत में पड़ने पर तुम्हारा इंतजार न करती रह जाए! और इसी में एक सप्ताह गुजर जाए!
विदा, संरक्षको!
होश में तो...अरे! ये तो भारती चैनेल पर नागराज का सजीव इंटरव्यू आ रहा है! मोर्निंग टाइम पर!
एकाएक ये ख्याल आपको कैसे आया नागराज?
और फिर बाद में-
मैं अपराध और आतंकवाद से निपटने का अभियान अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर रहा हूं!
क्या बोल रहे हो नागराज?
कुछ समय से मैं यह महसूस कर रहा था कि लोग नागराज पर कुछ ज्यादा ही निर्भर होते जा रहे हैं! अब मैं उनको उनके अपने दम पर जीने का मौका देना चाहता हूं!

... जैसा वे नागराज के आने से पहले रहते थे!
ओ गॉड! नागराज मजाक तो नहीं कर रहा है? पर ये कैसे हो सकता है! कल तक तो वह बिलकुल ठीक था! बल्कि उसने मेरी जान भी बचाई थी!
कुछ तो कारण जरूर होगा, भारती!
वह कारण पता करना होगा! सॉरी दादाजी! आज आपको बगैर नाश्ता कराए ऑफिस जाना होगा!
भारती कम्युनिकेशंस में-
सारी दुनिया को पता चल गया है कि नागराज रिटायर हो रहा है! अब मैं भी राज बनकर काम पर लग जाऊं, वर्ना राज को भी रिटायर कर दिया जाएगा!
राज! क्या तुम अंदर हो, राज?
ये तो भारती की आवाज है!
क... कम इन मैडम!
ये क्या तमाशा है, राज? तुम रिटायर कैसे हो सकते हो? कैसे?
शांत मैडम, शांत! मैं नहीं, नागराज रिटायर हो रहा है! आप गुस्से में मुझे नागराज समझ रही हैं!
आज सभी का दिमाग गड़बड़ हो रहा है!
ओ, सॉरी राज! मैं तो भूल ही गई थी कि दरवाजा खुला हुआ था!
पर नागराज एकाएक रिटायर क्यों हो रहा है?
नागराज रिटायर हो नहीं रहा है, बल्कि हो चुका है भारती! उसकी शक्तियां भी फिलहाल गायब हो चुकी हैं!
ऐसा तुम क्यों कर रहे हो, नागराज? जनता का तुम पर जो भरोसा बना हुआ है, वह एकदम टूट जाएगा!
उनको नागराज पर नहीं, अपने आप पर भरोसा होना चाहिए भारती! यही करने के लिए नागराज रिटायर हो रहा है! देखती रहो, एक दो दिनों में नतीजा सामने आ ही जाएगा!

जो नतीजे सामने आए वे अच्छे ही थे-
लूट का धंधा छोड़ भिड़ू और लड़ाई सिखाने का स्कूल खोल ले! नागराज के जाने के बाद आजकल हर कोई ऐसा ही स्कूल में भर्ती हो रेला है!
यार नागराज था तो अच्छा था! ड्यूटी पर भी एक दो झपकी मारने में हर्ज नहीं था! पन अब तो अकखा टाइम जगे रहना पड़ता है!
पहले जो भीड़ एक चाकू देखकर सहम जाती थी, वो अब पिस्तौल से भी नहीं डरती! कई गुंडों को तो भीड़ पीट-पीटकर भगा चुकी है!
अब लूट-पाट तभी करना जब नागराज वापस आ जाए! वो ज्यादा रहमदिल था!
महानगर की अपराध दर में भारी गिरावट
कुछ जघन्य अपराध अभी भी हो रहे थे-
पर उनकी संख्या न के बराबर थी-

सृष्टि का संतुलन एक बार फिर स्थापित हो रहा था-
यहीं पर मैंने सृष्टि की भलाई के लिए अपनी नागशक्तियों को सुलाया था! लेकिन फिर भी मुझे मायूसी सी क्यों महसूस हो रही है? शायद इसलिए क्योंकि मैं जनता का रक्षक बनना चाहता हूं! यही मेरा काम है! इसी के लिए मेरा जन्म हुआ है!...
... लेकिन अगर जनता में ऐसे ही विश्वास जागता रहा तो फिर वह स्वयं ही अपराध को समाप्त कर देगी! नागराज फिर कभी नहीं आएगा, क्योंकि नागराज की फिर आवश्यकता ही नहीं रहेगी!
तुमने सत्य को खुद ही देख और समझ लिया है नागराज!
प्रभु की सृष्टि अपने आपको संभालने में सक्षम है!
संरक्षक! काफी दिनों के बाद आए हैं आप?
तुम भी तो बहुत दिनों के बाद नजर आए हो, नागराज!
हम तुमसे सिर्फ यह कहने आए हैं कि हमेशा के लिए अपनी शक्तियों का प्रयोग न करने की शपथ ले ली! अब तक तुम जिसे इंसान की भलाई समझ रहे थे, वह वास्तव में इंसानों के प्रति बुराई हो रही थी!
आप ठीक कह रहे हैं! ऐसा ही करना होगा! नागराज अब हमेशा एक साधारण इंसान ही बनकर रहेगा!
हम अपनी जान दे देंगे लेकिन आतंकवादियों को कश्मीर, हिन्दुस्तान से अलग नहीं करने देंगे!
भारती पर खतरा अभी भी मंडरा रहा था! राजनगर में-
कुछ करो इस लड़की का, जनरल! वर्ना हमारे आका हमारे बदन के टुकड़ों को अलग-अलग कर देंगे!
हम इंतजार सिर्फ यह जानने के लिए कर रहे थे कि नागराज कहीं रिटायरमेंट की चाल तो नहीं चल रहा है! पर अब हम और देर नहीं करेंगे!
हां, अब तो नागराज का लफड़ा भी नहीं है!

"क्योंकि हम ज्यादा दिनों तक कश्मीर छोड़कर राजनगर में नहीं रह सकते-"
"भारती को जल्द से जल्द मरना होगा-"
वेलकम फ्रॉम कश्मीर भारती! कोई काम नहीं था तो मैं ही तुमको लेने स्यरपोर्ट चला आया!
काम करना तो नागराज ने छोड़ा है! फिर राज कैसे खाली हो गया?
AIRPORT
वैसे तुम सही थे और मैं गलत! नागराज के गायब होने से जनता में जो विश्वास पैदा हुआ है, उस पर यकीन करना मुश्किल है!
और इससे कम अपराध दर तो शायद राम-राज्य में भी नहीं रही होगी!
सुना है कि तालों की बिक्री खत्म...
...ओsssह!
तड़ाक
तेरी जिन्दगी पर लगा मौत का ताला आज खोल देगा लौंगो!...
...और तेरी आत्मा को आजाद कर देगा!

ओह! इस बार आतंकवादियों ने हमला करने में ज्यादा देर नहीं की!
भागना चाहती है भारती तो भाग!
देखूं कि तू कितनी दूर तक भाग सकती है!
लौंगी के पैर लंबे होने लगे-
और दो ही कदम भरने के बाद वह भारती से आगे पहुंच चुका था-
अब बता कि तू कहां भागेगी?
कानून के तो सिर्फ हाथ लंबे होते हैं भारती...
...लेकिन आतंकवाद के हाथ, पैर, गर्दन, धड़ सभी कुछ लम्बा होता है! आतंकवाद से बचकर कोई नहीं भाग सकता!
आऽऽऽह! मेरी बाँहें उखड़ जाएंगी!

उससे पहले मैं इसके पैर जमीन से उखाड़ दूंगा!
राज! तुम दूर हट जाओ! मैं इससे निपट लूंगी!
भारती मुझे कमजोर समझकर दूर हटने के लिए कह रही है!
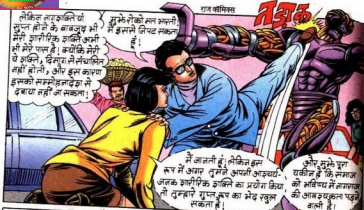
तड़ाक
लेकिन नागशक्तियां सुप्त होने के बावजूद भी मेरी शारीरिक शक्ति अभी भी मेरे पास है! क्योंकि मेरी ये शक्ति, दिमाग से संचालित नहीं होती, और इस कारण इसको सम्मोहनादेश से दबाया नहीं जा सकता!
मुझे रोको मत भारती! मैं इससे निपट सकता हूं!
मैं जानती हूं! लेकिन इस रूप में अगर तुमने अपनी आश्चर्य-जनक शारीरिक शक्ति का प्रयोग किया तो तुम्हारे गुप्त रूप का भेद खुल सकता है!
और मुझे पूरा यकीन है कि समाज को भविष्य में नागराज की आवश्यकता पड़ने वाली है!
भारती ठीक कह रही है! आसपास लोग जमा हो रहे हैं! इनके दिमाग में शक पैदा हो सकता है! मैं दो-तीन सेकंड में नागराज बनकर वापस आ जाऊंगा...
... राज पिटेगा, भागेगा, और फिर नागराज घटना-स्थल पर आएगा!
भारती, लोंगो का मुकाबला तो बहादुरी से कर रही थी-
लेकिन सिर्फ बहादुरी काफी नहीं थी-
शिकंजा उसकी गर्दन पर आ कसा-
सांस की नली पर दबाव पड़ने से भारती की आंखों के आगे रंग-बिरंगे सितारे चमकने लगे-
सांस की नली कड़कने लगी-
बेहोशी दिमाग पर छाने लगी-

कालचक्र
लेकिन इससे पहले कि बेहोशी का अंधेरा मौत की नींद बन जाता-
धड़ाक
लौंगी को भारती की गर्दन छोड़ देनी पड़ी-
क्योंकि घटनास्थल पर आ गया था-
नागराज!
नागराज!
नागराज वापस आ गया!
थैंक गॉड!
अब भारती को कुछ नहीं होगा!
हां! क्योंकि मैं भारती को सुरक्षित कार में रख आऊंगा!
नागराज की एक ही किक में कार सीधी हो गई-
लेकिन भारती को कार में रखने के बाद नागराज को लौंगी तक वापस जाने की जरूरत नहीं पड़ी-
लौंगी खुद उस तक आ गया था-

मेरे और मेरे 'भारती किलर' प्रोग्राम के बीच में जो कोई भी आएगा, उसे मरना पड़ेगा! चाहे वह तू ही क्यों न हो नागराज!
हां, लेकिन मैं तेरे पुर्जे-पुर्जे जरूर कर सकता हूं!
मेरे सारे अंगों की वेल्डिंग की गई है! उनको तोड़ना असंभव है, नागराज!
लेकिन तेरे शरीर पर तारों के जो गुच्छे हैं, उनको तोड़कर शॉर्ट सर्किट कराना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा!
जब इंसान आज तक मुझे नहीं मार पाए, तो भला उनके द्वारा बनाई गई मशीन मुझे क्या मारेगी!
होगा! क्योंकि इन तारों को भी 'वेल्ड' किया गया है!
और इनके ऊपर 'बुलेटप्रूफ' प्लास्टिक की पर्त चढ़ी है! तू न तो प्लास्टिक का खोल हटा सकता है और न ही तारों को तोड़ सकता है!
इससे पहले कि नागराज कुछ कर पाता-
उसको ऊपर घने पेड़ में खींच लिया गया-
और उसको खींचने वाले थे-
संरक्षक, तुम यहां कैसे?
तुम पर नजर रख रहे थे!
और यही सवाल हम तुमसे पूछना चाहते हैं नागराज! तुमने तो कालचक्र में बाधा न डालने की शपथ ली थी!
शपथ मैंने तोड़ी नहीं है!
मैं तो दूसरे आम आदमियों की तरह ही मुकाबला कर रहा हूं!
बगैर नाग-शक्तियों के!

लेकिन अगर तुम अंजाने में नागशक्तियों को फिर से जगा बैठे तो ?
संरक्षक यह नहीं समझ रहे कि सम्मोहन की अवधि पूरी होने तक नागराज नाग-शक्तियों का प्रयोग कर ही नहीं सकता है! लेकिन मैं इस बात का फायदा उठा सकता हूं!
लेकिन... लेकिन ऐसा करके तो हम खुद कालचक्र में व्यवधान डालेंगे!
यह मैं नहीं जानता! मेरी यही शर्त है! बोलो, मानते हो या नहीं?
ठीक है! हमें स्वीकार है!
मैं ऐसा नहीं करूंगा! लेकिन एक शर्त पर!
तुम भारती को इस खतरे की जगह से ले जाओ!
और घर तक पहुंचा दो!
हमेशा के लिए उससे दूर जा चुकी थी-
अब मुझे भारती की चिन्ता करने की जरूरत नहीं है! अब तू अपनी चिन्ता कर लौंगो!
नीचे-
लौंगो फिर से भारती तक पहुंचने में नाकाम रहा-
और फिर भारती-
लौंगो के छू पाने से पहले ही नागराज भारती को उठा चुका था
वाऊ! एमेजिंग! यकीन नहीं होता!
रोबॉट मरने से नहीं डरते!
नहीं उनको दर्द होता है! लेकिन इंसानों को होता है!

Amaan
बता, हुआ या नहीं!
तूने मेरे शिकार को भगाया है! अब तू मेरा शिकार बनेगा!
नागराज की हड्डियां आपस में टकराने लगीं-
आऽऽऽऽह!
बगैर नागशक्ति के आजाद होना मुश्किल लग रहा है!
इन 'वेल्ड' किए गए जोड़ों को मैं तोड़ नहीं पा रहा हूं!
और न ही तारों का 'प्लास्टिक कवर' हटाकर शॉर्ट सर्किट कर पा रहा हूं!
ओ! वह फैशनेबल महिला, वह मेरी मदद कर सकती है! इसके पास वह चीज जरूर होगी, जो मुझको चाहिए!
रुकिए मैडम! डरिए मत! मुझे आपके पर्स से कुछ चाहिए!
और फिर पर्स से निकली शीशी के द्रव को तारों पर उड़ेलते ही-
चिंगारियां तड़कने लगीं-
ये... ये क्या किया तूने? तारों का बुलेटप्रूफ प्लास्टिक कवर कैसे गल गया?
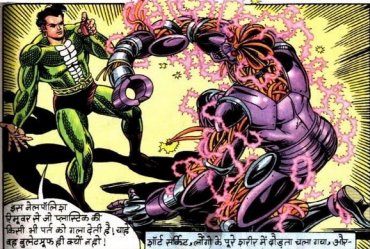
इस नेलपॉलिश रिमूवर से जो प्लास्टिक की किसी भी पर्त को गला देती है। चाहे वह बुलेटप्रूफ ही क्यों न हो!

शॉर्ट सर्किट, लौंगो के पूरे शरीर में दौड़ता चला गया, और-

खत्म हो गया लौंगो!
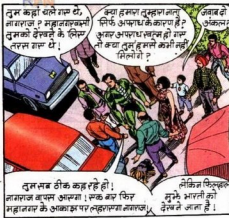
तुम कहां चले गए थे, नागराज? महानगरवासी तुमको देखने के लिए तरस गए थे!

क्या हमारा तुम्हारा नाता सिर्फ अपराध के कारण है? अगर अपराध खत्म हो गए तो क्या तुम हमसे कभी नहीं मिलोगे?

जवाब दो अंकल!

तुम सब ठीक कह रहे हो! नागराज वापस आएगा! एक बार फिर महानगर के आकाश पर लहराएगा नागराज।

लेकिन फिलहाल मुझे भारती को देखने जाना है!

भारती यहां थी-
ये क्या है?
भारती का मृत्युयोग एक बार फिर टल गया, सर्व स्वामी।
इस बार भी ऐसा नागराज के कारण हुआ! इसलिए ये भारती को यहां ले आए!
अच्छा किया! क्योंकि फिलहाल भारती का मृत्यु योग कुछ समय के लिए टल गया है!
अब इसका 'यंत्रणा योग' शुरू हो रहा है!
जैसी आज्ञा स्वाsss मीsss
खटर्रर्रर्र
कौन?
संरक्षको! अब तुम भी जाकर विश्राम करो!

● सुप्रीम हेड के बारे में जानने के लिए पढ़ें: क्राइम किंग

जब तुमने केबलवांन को तोड़ दिया, तब हम सोचने पर मजबूर हो गए कि कैसे तुमको अपनी शक्ति का इस्तेमाल करने से रोका जाए!
एक ही तरीका था! तुमको ये यकीन दिलाने का कि तुम्हारी शक्ति-प्रयोग से और बुराई हो रही है! बस हमने एक नाटक करने की सोच ली! एक इमारत की छत पर कई तरह के यंत्र फिट किए गए, और उस पर रोबॉट संरक्षकों को तैनात करने के बाद हमारे ही दो आदमी, हमारे ही दो अन्य आदमियों को लूटने लगे! तुम वहां पर पहुंचे और हमारे जाल में फंस गए! तुमने अपनी शक्तियों को सम्मोहन द्वारा सुला भी दिया! पर हमको भरोसा नहीं था! इसीलिए भारती पर दूसरा हमला करने से पहले हमने कुछ दिनों का समय यह देखने के लिए लिया कि नागराज वाकई गायब हो गया है, या नहीं!
लेकिन इस दौरान तुमने अपराधदर को बढ़ने से कैसे रोके रखा?
मामूली बात थी! सारे अपराधियों को चेतावनी और पैसे, दोनों ही दिए जा चुके थे! और फिर भी जो अपराध करने की कोशिश करते, उनको मेरे आदमी मार भगाते थे!...
खैर! अब तुम आत्मसमर्पण करोगे, सुप्रीम हेड! या फिर तुम्हारा चमचा तमारा मुझे रोकने की कोशिश करेगा?

तमारा मेरा सेवक है फाइटर नहीं! वैसे भी तुम भूल रहे हो कि तुम एक सप्ताह तक अपनी नागशक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते!
और एक सप्ताह पूरा होने में अभी एक घंटा बाकी है!
तमारा!
तमारा ने इशारा पाते ही उस दरवाजे को खोल दिया-
और-
ओह! इस बार तुम मुझसे बचकर भाग नहीं पाओगे!
मैं जाऊंगा और भारती को भी ले जाऊंगा! तुम अपनी चिन्ता करो, क्योंकि बगैर नागशक्तियों के तुम जिन्दा नहीं बच सकते!
ये क्या बकवास कर रहा है! दरवाजे और मेरे बीच में तो कुछ भी नहीं है!
नागराज ने कदम बढ़ाया-
और उसको खतरे का एहसास होने में देर नहीं लगी-
धड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़
ओह! पथरीले ब्लॉक पिस्टन के सहारे एक दूसरे से टकरा रहे हैं!
बाल-बाल बचा! वर्ना अभी मेरी चटनी बन जाती!

लेकिन नीचे कूदकर भी मैं बचूंगा नहीं! क्योंकि इस जमीन का हर पथरीला ब्लॉक ऐसा ही है! जिस ब्लॉक पर भी पैर रखता हूं, वह ऊपर उठ जाता है, और उसके ऊपर की छत वाला ब्लॉक उससे आ टकराता है!
बचने का रास्ता सिर्फ इच्छाधारी शक्ति या फिर ध्वंसक सर्प हैं, जिनकी मदद से मैं पथरीले ब्लॉक के पिस्टनों को तोड़ सकता हूं!
लेकिन नागशक्तियां लाऊं कहां से? नागराज तो एक सप्ताह तक उनका प्रयोग कर ही नहीं सकता!
...लेकिन राज तो नागशक्तियों का प्रयोग कर सकता है! सम्मोहनादेश ने राज पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है!
ब्लॉक्स से बचते-बचते ही नागराज राज का रूप धारण करने लगा-
ओऽऽऽ सम्मोहनादेश यह था कि नागराज नागशक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा...
और रूप पूरा होते ही-

नागशक्तियां सक्रिय हो उठीं-
अब मैं कुछ ब्लॉक्स को ध्वंसक सर्पों की मदद से तोड़ सकता हूं!
और कुछ ब्लॉक्स के बीच में से इच्छाधारी कणों में बदलकर सुरक्षित निकल सकता हूं!
और अब मुझे सुप्रीम हेड और भारती तक पहुंचना है! वे अभी ज्यादा दूर नहीं गए होंगे!
लेकिन उन तक पहुंचने से पहले मुझको एक बार फिर नागराज बनना होगा!
बाहर-
आऽऽऽह! नागराज आ गया!
ये जिन्दा कैसे बच गया? मैं इसको रोकता हूं! तुम लोग अपना माल... मेरा मतलब... भारती को लेकर यहां से निकलो!

वे आतंकवादी भारती को लेकर भाग रहे हैं! मुझे उनको रोकना होगा!
तू उनको नहीं रोक पाएगा, नागराज! मैं तुझे ऐसा नहीं करने दूंगा! क्योंकि मैंने उनसे बड़े मोटे पैसे लिए हैं!
अगर मुझे पार करके तू जा सके तो जा! रोक ले उनको!
पर हां, एक बात फिर से याद दिला दूं तुझे! अभी सप्ताह की अवधि पूरी होने में पांच मिनट बचे हैं!
अगर पांच मिनटों तक तू अपनी मौत को छका सकता है तो छका ले!
कड़ंक
आऽऽऽह! इसके सामने मैं राज नहीं बन सकता! और नागराज बनकर लड़ नहीं सकता! फिर क्या करूं?
क्या सोच रहा है नागराज? यही न कि मैं तुझे कैसी मौत दूंगा! देख, मैंने अपने वाहन को कैसे-कैसे खूंखार शस्त्रों से लैस कर रखा है! ये मेरी तोप है! बोफोर्स तोप की बाप!
ओऽऽऽह!

ये मुझे निशाना नहीं बना पा रहा है! लेकिन उस तरफ भी जाने नहीं दे रहा है, जिधर वैन भारती को लेकर गई है! अब तो वैन काफी दूर निकल गई होगी! जासूस सर्पों से उसका पता लगवाना होगा! फिलहाल सुप्रीम हेड से निपटने में ध्यान लगाना चाहिए!
तू मेरे गोले-बारूद को व्यर्थ किए दे रहा है, नागराज!
इसलिए पहले तुझको स्थिर खड़ा करना होगा, फिर निशाना लगाना होगा!
याद है वह किरण, जिसका वार संरक्षकों ने तुझ पर किया था, और तेरे शरीर की सारी नसें झनझना गई थीं? यह वही किरण है! सीधे स्नायु तंत्र पर असर करती है!
लेकिन सिर्फ किरण ही तेरा हिलना रोक नहीं पाएगी! तुझे थोड़ा और स्थिर करना पड़ेगा! उसी यांत्रिक सिस्टम की मदद से, जिससे मैंने केबलवान को बनाया था!
ओऽऽऽह!
धड़ाऽ
अब तू अपनी मौत को अपनी तरफ बढ़ता देखेगा नागराज!
पर कर कुछ नहीं पाएगा!
असहाय था नागराज! और मौत कुछ ही फुट दूर थी-

तभी नागराज के दिमाग में कुछ कौंधा-
और मौत का गोला नागराज के शरीर के आर-पार हो गया-
य... यह क्या?
एक सप्ताह पूरा हो गया है, सुप्रीम हेड!...
... और मेरी नागशक्तियों पर लगा सम्मोहन का अवरोध टूट गया है!
मैं तेरी शक्तियों के लिए भी तैयार हूं, नागराज!
मेरा वाहन तोप के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर फाइटर प्लेन भी बन सकता है!
व्हूऽऽ शा
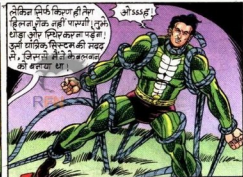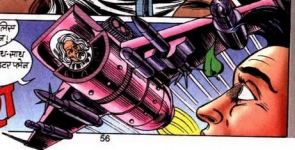
ओह! इसका यह वार तो सचमुच बहुत घातक है! मेरी ध्वंसक सर्पों की शक्ति के अलावा और कोई भी शक्ति काम नहीं आ सकती! और ध्वंसक सर्प भी ज्यादा ऊँचाई तक वार नहीं कर सकते!...
...फिलहाल तो बचने का एक ही रास्ता है! मुझे जमीन के नीचे सुरंगी बंकर बनाकर वहां से आक्रमण करना होगा!
लेकिन-
देख, तू कैसे फंसा नागराज? मैंने जमीन के नीचे बारूदी सुरंगें बिछाकर रखी हैं!
अब तू इस लायक भी नहीं है कि मेरे वार से बच सके!
अब देख अपनी मौत को!
इच्छाधारी शक्ति ने बचाया नागराज को-

इस सम्बन्ध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: क्राइम किंग

और सुप्रीम हेड का दिमाग, उसके काबू से बाहर हो गया-

मैं नहीं जानता कि वह कौन था! उसका चेहरा ढका हुआ था! लेकिन उसके पास पैसा बहुत था! इसीलिए उसने मुझे भारती को ठिकाने लगाने के लिए करोड़ों रुपए तो एडवांस में ही दे दिए थे!

मैं बस इतना जानता हूं कि मुझे कांट्रेक्ट देने वाला आदमी अफगानी पोशाक में था, मगर हिन्दी बहुत अच्छी बोलता था!

पहले उसने मुझसे भारती को मारने के लिए कहा था! लेकिन फिर उसने भारती को जिन्दा ही रखने को कहा था!

यानी भारती को आतंकवादी ही उठाकर ले गए हैं! पर कहां? अगर वे भारती को महानगर से बाहर ले गए होंगे तो मेरे जासूस सर्प भी उसका पता नहीं बता पाएंगे!

फिर मैं भारती को कैसे ढूंढूंगा? कहां होगी भारती इस वक्त?

ये सवाल हम सब के दिमाग में घूम रहा है! लेकिन जवाब सिर्फ वक्त के पास है! सही वक्त का इंतजार कीजिए-

समाप्त.